IPO/238/RTI/MEA/16 Rs.10

6

No. 2888/EAM/2016 ~~7570/EAM/2015~~
Ministry of External Affairs
(Office of the Minister of External Affairs)
*****

डायरी सं./Dy. No. 2062 /RTI Cell/2015
दिनांक/Date 05/04/2016

Please find enclosed an RTI Application dated 26/03/2016 alongwith IPO for Rs.10 and copy of letter dated 01/03/2016 received from Shri Rakesh Srivastava, seeking information under RTI Act, 2005 for necessary action.

2. It may be noted that EAMO has received an RTI application from Shri Rakesh Srivastava in 2007 and forwarded the same to JS (Welfare) vide Dy. No. 8225/EAM/2007 dated 13/08/2007

Regards.

(S. Chinpau Ngaihte)
Under Secretary (EAMO)
01/04/2016

Smt. Meera Sisodia
Under Secretary (RTI)
Room No. 2019- A Wing,
Jawaharlal Nehru Bhawan,
23-D, Janpath,
New Delhi-110011.

सत्यमेव जयते

विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
NEW DELHI

MOST IMMEDIATE
RTI MATTER

No.Q/Wel/551/4/2016

22nd April, 2016

Shri Rakesh Shrivastav,
14/60 Yaman Sahara State,
Janki Puram,
Lucknow -22601(UP)

Sir,

Please refer to your RTI application No. IPO/238/RTI/MEA/16 dated 05.04.2016.

2. Your application is a request for grievance redressal and not an RTI application seeking information under RTI Act, 2005. RTI Act, 2005 does not envisage redressal of grievances and is basically meant to seek 'information' defined under Section 2(f) of the RTI Act, 2005, which is held by a public authority.

3. However, your request has been forwarded to the concerned authorities for taking appropriate action.

4. If you are aggrieved with this reply, you may file an appeal with Smt Apoorva Srivastava, Director & Appellate Authority, Room No. 4095, A-Wing, Jawahar Lal Nehru Bhawan, 23-D, Janpath, New Delhi-110011 (Tel: 011-49015363, Fax: 011-49015364) within 30 days of receipt of this letter.

Yours sincerely,

(Y.K. Shukla)
Under Secretary (Welfare & CPIO),
Room No. 1015, C-Wing,
Jawahar Lal Nehru Bhawan
Tele:No.49015300
Fax No.49015233

Copy for information to :

1. US(FSP) – along with copies of the application for taking taking appropriate action in the matter, if any, as per rules and procedure.
2. US(RTI)
3. DS(DD), by e-mail at dsdd@meaindia.in.
4. **Publicity Officer(XMM), by email at poxmm@meaindia.in**

सेवा में मानीय
सुषमा स्वराज
विदेश मंत्री भारत सरकार, विदेश मंत्रालय
नई दिल्ली भारत।

DATE
26/03/2016

विषय: सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना देने के सम्बन्ध मे

महोदया, अवगत कराना है। कि राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा प्रेषित पत्र सं० 43(1)/2007-सी२(2) दिनांक 13 जुलाई 2007 जिसमे राष्ट्रपति ने मुझे किसी देश का राजदूत बनाने के लिए विदेश मंत्रालय पत्र प्रेषित किया था। जिसपर समय समय पर विदेश मंत्रालय द्वारा सन 2007 से 2016 तक कई पत्र मुझे प्रेषित कर यह सूचना दी गयी की जल्द राजदूत बनाने की कार्यवाही सम्पन्न कर आपको राजदूत बनाया जायेगा। क्या यही देशभक्त परिवार पौत्र के साथ न्याय है।

अत: आप से निवेदन है। दस वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी अभी तक देशभक्त परिवार पौत्र को पद सम्मान न देकर देशभक्त स्व परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। जो देशद्रोह की श्रेणी मे आता है। जल्द ही मै न्यायालय कोर्ट जाने की लिए बाध्य किया जा रहा है। न्याय करे -
तथा सूचना अधिकार अधिनियम की तहत सूचना दे कि मुझे कब राजदूत बनाया जायेगा।

Rakesh Srivastava

प्रेषक,
राकेश श्रीवास्तव
सम्पादक - प्रेस
पौत्र - महान देशभक्त रामस्वरुप
लाल - उपसेनाध्यक्ष आजाद हिन्द फौज
14/10 यमन सहारा स्टेट
जानकीपुरम लखनऊ उ०प्र०

प्रेषित पत्र: - (i) मा० प्रधानमंत्री
(ii) मा० राष्ट्रपति
(iii) प्रेस एवं मीडिया चैनल
(iv) मुख्य न्यायधीश
[illegible]

सेवा में,

माननीय नरेन्द्र मोदी जी/ माननीय राजनाथ सिंह जी/ माननीया सुषमा स्वराज जी/माननीय अमित शाह जी/ माननीय मोहन भागवत जी -आर0एस0एस0 प्रमुख / माननीय ओममाथुर जी- महासचिव, मा0 प्रधानमंत्री सचिव, मा0 विदेश सचिव, मा0 कैबिनेट सचिव, मा0 अजीत डोवल भारतीय सुरक्षा सलाहकार,
प्रधानमंत्री/ गृह मंत्री/ विदेश मंत्री- भारत सरकार नई दिल्ली।

महोदय,

अवगत कराना है आजादी के महानायक सेनानायक महान देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सेनाध्यक्ष आजाद हिन्द फौज एवं नेता जी रामस्वारथ लाल उपसेनाध्यक्ष आजाद हिन्द फौज ने देश के नाम अपना सब कुछ कुर्बान कर देश को स्वतंत्रता दिलाई मगर कॉग्रेस ने सोची समझी रणनीति के तहत आजादी के दोनों महानायक को अपने ही देश में गुमनाम कर दिया।

ज्ञात है कि आज भी सम्पूर्ण देश की जनता की भावना आस्था श्रद्धा विश्वास उपरोक्त देश भक्तों से जुड़ी हुई है भारतीय जनता पार्टी आजादी के महानायक के पौत्र को अपनी पार्टी में उपयुक्त पद देकर न्याय करे , आज सम्पूर्ण भारत में स्वच्छ छवि ईमानदारी छवि वाले व्यक्तित्व की जरूरत है मै विधानसभा/मेयर /लोकसभा चुनाव लखनऊ में सक्रिय भूमिका में रहा हूँ। चाहे माननीय कलराज मिश्रा जी हो या माननीय दिनेश शर्मा जी या माननीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह जी का चुनाव हो सबके साथ-साथ प्रचार-प्रसार देखता रहा हूँ।

अतः आपसे निवेदन है माननीय राष्ट्रपति अब्दुल कलाम पत्र (माननीय अटल बिहारी बाजपेयी के समय) के पत्र संख्या-43(1)/2007-सीए(2) 19 जुलाई 2007 को संज्ञान में लेकर तत्काल मुझे किसी देश का राजदूत बनाने की कृपा करें तथा आगामी 26 जनवरी 2016 गणतंत्र दिवस को उपरोक्त देशभक्तों को मरणोउपरान्त सम्मान-''भारत-रत्न'' देकर देश के सच्चे देशभक्त के साथ न्याय करें। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि माननीय नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री कार्यालय आपके द्वारा जून 2014 में देशभक्त के परिवार की भारत सरकार आई0बी0 (IB)-जांच कराने के बाद भी विभागीय उदासीनता के चलते देशभक्त एवं उनके पौत्र परिवार को आज तक सम्मान पद न देकर घोर अपमान एवं उनके परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है यह कहा तक न्याय उचित है

अतः मजबूर होकर - प्रेस, मीडिया, टी0वी0 चैनल, समर्थकों के साथ प्रधानमंत्री निवास पर ''आमरण-अनसन'' पर बैठने दिल्ली आ रहा हूँ। गम्भीरता से सोचे आजादी के महानायक, देश भक्त को सम्मान-पद देकर न्याय करें। स्वतंत्रता के 60 वर्ष बाद भी आजादी के महानायक देश के सच्चे देशभक्त एवं उनके पौत्र परिवार को सम्मान-पद न देना कहाँ तक न्याय उचित है। देश भक्त एवं उनके पौत्र परिवार को सम्मान पद दे- आपकी इस सराहनीय कार्य की सराहना सम्पूर्ण देश की जनता करेगी।

भवदीय

राकेश श्रीवास्तव
सम्पादक -प्रेस
पूर्व प्रत्याशी - पूर्वी विधानसभा क्षेत्र लखनऊ
भारतीय जनता पार्टी-कार्यकर्ता
पौत्र- महान देश भक्त स्वतंत्रता सेनानी
रामस्वारथ लाल - उपसेनाध्यक्ष - आजाद हिन्द फौज
14/60 यमन सहारा स्टेट जानकीपुरम
लखनऊ उ0प्र0- 226021 सम्पर्क नं0 -09451016573

प्रेषित पत्र - प्रेस एवं मीडिया चैनल

Usha

रेलमंत्रालय
Northern Railway

Headquarters Office
Baroda House
New Delhi.

No.628-R/Charbagh LKO/2014
513-R/New Delhi DLI/2014

Dt. 24.11.2014

To,
Sr. Divisional Commercial Manager,
Northern Railway
Delhi & Lucknow.

Sub:-Renaming of New Delhi Railway station as "Subash Chander Bose & Charbagh Lucknow station as Ram Swarath Lal.

Ref:- Representation Of Editor & publisher Nav jewan Karanti News paper letter No.01 dt.01.07.2014.

In reference to above cited letter, you are requested to approach concerned state government authority (District Collector) for examining the proposal with recommendation.

The state Government (District Collector) office, shall obtain approval of **Ministry of Home Affairs (Govt of India)** (Director /SR. North Block , New Delh110001) & **Superintendent Surveyor, Office Of the Surveyor General of India , Post Box No 37, Dehradun – 248001 Uttrakhand (INDIA)**.

On receipt of approval from Ministry of Home affairs Govt of India & Survey of India office ,the state Government (District Collector) shall forward the proposal to your office. The same may be forwarded to this office for further necessary action.

(DAVENDRA SINGH)
ACM/Rates
for Chief Commercial Manager/FM

COPY :1. Sh.Rakesh Shrivastav . Editor & publisher Nav jewan Karanti News paper 14/60 Yaman Sahra State Janki puram Lucknow (UP).-226021.
2. Dy. Director/Traffic General-IV, Ministry of Railways, Railway Board, New Delhi in reference to their letter No. 2014/TG-IV/1&4/NR/C dt.29.10.2014 for information please.

संख्या 20011/35/2015-समन्वय-II

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

समन्वय-II अनुभाग

नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली,

दिनांक : , 2015

<u>कार्यालय ज्ञापन</u>

विषय:- श्री राकेश श्रीवास्तव की याचिका।

मुझे उपरिलिखित विषय पर मंत्रिमंडल सचिवालय से प्राप्त पत्र संख्या 981/1/1/2015-29.3.क्र दिनांक 2.2.2015 एवं उसके साथ संलग्न श्री/~~श्रीमती/सुश्री~~ राकेश श्रीवास्तव की याचिका मूल रूप में आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजने का निदेश हुआ है।

2 अनुरोध है कि श्री/~~श्रीमती/सुश्री~~ राकेश श्रीवास्तव की याचिका पर उचित कार्यवाही की जाए एवं की गई कार्यवाही से याचिकाकर्ता, मंत्रिमंडल सचिवालय तथा इस मंत्रालय / समन्वय प्रभाग को सूचित करें।

<u>संलग्नक</u>: उपरोक्तानुसार

(ए.के. अग्रवाल)
अवर सचिव, भारत सरकार

सेवा में,
विदेश मंत्रालय
[संयुक्त सचिव (सी.पी.ओ.)]
सी.पी.वी. डिविजन,
पटियाला हाउस अनेक्सी
तिलक मार्ग, नई दिल्ली

<u>प्रति सूचनार्थ प्रेषित</u>:
श्री राकेश श्रीवास्तव
संपादक एवं प्रकाशक,
नवजीवन क्रांति समाचार पत्र

(ए.के. अग्रवाल)
अवर सचिव, भारत सरकार

10/2015 2.JPG (1344×1617)

संयुक्त सचिव
Joint Secretary
© 23793302

राष्ट्रपति सचिवालय
राष्ट्रपति भवन
नई दिल्ली-110004
President's Secretariat
Rashtrapati Bhavan
New Delhi -110004

सं०-43(1)/2007-सीए(2)

19 जुलाई, 2007

आदरणीय श्री राकेश श्रीवास्तव जी,

राष्ट्रपति जी को प्रेषित आपका दिनांक 11 जुलाई, 2007 का पत्र प्राप्त हुआ जिसमें आपने अन्य अनुरोधों के साथ किसी भी देश में राजदूत बनने की इच्छा व्यक्त है। आपका पत्र उचित कार्यवाही के लिए विदेश मंत्रालय को भिजवा दिया गया है।

सादर,

आपका,

अरुण मित्रा
(अरूण मित्रा)

श्री राकेश श्रीवास्तव,
शिवा कालोनी म०नं० 645/6,
बस्ती (उ०प्र०),
पिन - 272002.

https://f4check.rediff.com/bn/downloadajax.cgi/2.JPG?login=ramkumar.1053&session_id=4U4PK1KZKSLD21ELrMDBnWwO5k75LEV&formname=download 1/1

जागरण सिटी

रोजाना 4 शो, 12.45, 3.45, 6.45 व 9.45 रात्रि
पारिवारिक सुपरहिट नई फिल्म
घायल वन्स अगेन
प्रातः 10 से रात्रि 10 तक

प्रतिभा फोन 2238375

शुक्रवार 19 फरवरी से अखिल भारतीय प्रदर्शन
रोजाना 4 शो 12.30, 3.30, 6.30, 9.30 रात्रि
ISHQ FOREVER
इश्क फॉरएवर
अ.बु. प्रातः 10 से रात्रि 10 तक

नावेल्टी अलीगंज फोन: 4045682
PRESENTING FOR THE FIRST TIME IN U.P.

DOLBY ATMOS
4-WAY SPEAKERS
www.noveltyaliganj.com

नावेल्टी अलीगंज फोन: 4045682
PRESENTING FOR THE FIRST TIME IN U.P.

लखनऊ बार एसोसिएशन की मतगणना जारी

- अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों पर हुई तीन हजार मतों की गणना

विधि संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ बार एसोसिएशन के चुनाव में बुधवार को अध्यक्ष महामंत्री सहित अन्य पदों पर मतगणना पूरी नहीं हो सकी। शेष मतों की गणना 18 फरवरी को सुबह नौ बजे शुरू होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी उमेश कुमार बाजपेई ने बताया कि 16 फरवरी को 15728 वैध मतदाताओं में 4246 मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों पर तीन हजार मतों की गणना हुई, वहीं अन्य पदों पर भी मतगणना जारी है।

अध्यक्ष पद पर सर्वेंद्र प्रसाद शुक्ला अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुनील कुमार सिंह सिकरवार से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। महासचिव पद पर जितेंद्र सिंह यादव 'जीतू' अपने प्रतिद्वंद्वी गोविंद नारायण शुक्ला 'बच्चू' से 442 मतों से आगे चल रहे हैं। जीतेंद्र सिंह यादव शुरू से अपने प्रतिद्वंद्वी गोविंद नारायण शुक्ला से आगे चल रहे हैं। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर यज्ञमणि दीक्षित अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनीष श्रीवास्तव से बढ़त बनाए हुए हैं। सहायक चुनाव अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा व नंद किशोर गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष (दो पद), संयुक्त सचिव (3 पद) वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य (6 पद) एवं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य (6

श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव अनुभूति का आयोजन किया जा रहा है। 18 से 20 फरवरी तक चलने वाले कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। अंतिम दिन स्टार नाइट में सारेगामापा फेम गायक जलवा बिखेरेंगे। कार्यक्रम होगा।

दी आग से बचाव की जानकारी

- अग्नि सुरक्षा पखवाड़े के तहत चला अभियान

संसू, लखनऊ : अग्नि सुरक्षा पखवाड़े के मद्देनजर बुधवार को अग्नि से सुरक्षा एवं बचाव के संबंध में अग्निशमन अधिकारी इंदिरानगर एफएसओ और फायरकर्मियों ने दोपहर 12:30 बजे विकासनगर के सेक्टर 9 के गेहलास अपार्टमेंट में छद्म अग्निकांड आयोजन कर लोगों को गैस सिलेंडर में आग लगाकर बुझाने का प्रदर्शन किया गया।

अग्निशमन अधिकारी इंदिरानगर एफएसओ ने अपार्टमेंट में रह रहे लोगों को सुरक्षा संबंधी गुर दिए। कहा कि आग की घटनाओं के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने और

यहां भी हुई मॉक ड्रिल

- सहारा शॉपिंग सेंटर मार्ग
- सिल्वेरी ग्रीन अपार्टमेंट पीजीआइ
- सिंह पैराडाइज होटल बंथरा
- टाइटेनियम भवन विभूतिखंड गोमतीनगर
- फीनिक्स माल कानपुर रोड
- कनौजिया मेडिकल सेंटर

चारबाग स्टेशन का नाम बदलने की मांग

जागरण संवाददाता, लखनऊ : आजाद हिंद फौज के लेफ्टिनेंट रहे नेताजी राम स्वारथ लाल के नाम पर चारबाग स्टेशन का नामकरण की मांग हुई है। यह मांग उनके पौत्र राकेश श्रीवास्तव ने रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर की है।

राकेश श्रीवास्तव का दावा है कि नेताजी राम स्वारथ लाल आजाद हिंद फौज के उपसेनाध्यक्ष थे और वह लेफ्टिनेंट का पद संभालने वाले एकमात्र सेनानी थे। सन 1943 में आजाद हिंद फौज के गठन के समय वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस के संपर्क में आए थे। नेताजी ने उनको लेफ्टिनेंट पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उस समय लेफ्टिनेंट का पद उप सेनाध्यक्ष का होता था। इसकी पुष्टि 1939 में छपे कई हिंदी और अंग्रेजी शब्दकोष में भी होती है। मलेशिया में हुई बमबारी के समय उन्होंने अपने दाये हाथ का अंगूठा गंवा दिया था। देश की आजादी मिलने के 25 साल बाद तक वह दर दर भटकते रहे। उनको 15 अगस्त 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम में स्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र की ओर से ताम्र पत्र प्रदान किया था। उनका देहांत 15 अगस्त 1997 को हो गया था।

राकेश श्रीवास्तव ने चारबाग स्टेशन का नाम ले. राम स्वारथ लाल के नाम पर करने की मांग का पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रेलमंत्री, इतिहासकारों, मानव व संसाधन मंत्रालय से भी की है। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विख्यात इतिहासकार प्रोफेसर विपिन चंद्रा को भी पत्र लिखा था। राकेश श्रीवास्तव ले. राम स्वारथ लाल को मरणोपरांत भारत रत्न दिलाने के लिए भी प्रयास कर रहे हैं।

विजय कुमार मलहोत्रा
संसद सदस्य
VIJAY KUMAR MALHOTRA
M.P
Dy. Leader & Spokesman
B.J.P. Parliamentary Party (Lok Sabha)
Chairman
Public Accounts Committee (Lok Sabha)

6, डॉ बिशम्बर दास मार्ग,
नई दिल्ली - 110 001
6, Dr. BISHAMBER DASS MARG
NEW DELHI - 110 001
TEL. : 2371 5051, 2371 5070
FAX 91-11-2371 5045

22 अगस्त 2006

प्रिय श्री राकेश श्रीवास्तव,

आजाद हिन्द फौज के सेनाध्यक्ष श्री सुभाष चन्द्र बोस एवं उप–सेनाध्यक्ष श्री राम स्वारथ लाल को भारत रत्न सम्मान देने के संबंध में आपका पत्र प्राप्त हुआ। मैं इस मामले को संसद में उठाउंगा।

सधन्यवाद,

भवदीय,

विजय कुमार मलहोत्रा

श्री राकेश श्रीवास्तव,
पौत्र–श्री राम स्वारथ लाल,
645/6, शिवा कालोनी,
बस्ती, उ0प्र0 – 272 002.

आज देश को कुछ भी कहे भारत को आजादी दिलाने वाले महानायक सेनानायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सेना अध्यक्ष आजाद हिन्द फौज एवं नेता जी राम स्वारथ लाल उपसेना अध्यक्ष आजाद हिन्द फौज एवं देश के लाखों नवजवानों देशभक्तों ने देश के नाम अपना सब कुछ कुर्बान कर देश को आजादी दिलायी मगर कुछ लोग अंग्रेजों से समझौता कर सुभाष चन्द्र बोस एवं नेता जी राम स्वारथ लाल को गुमनामी के अंधेरे में गुमनाम कर देश की सत्ता पर राज करते आ रहे हैं देश की जनता को सोचना है कि महान देशभक्त के योगदान को समझे और उनकी भावनाओं से जुड़कर जो आज देश में के भीतर रहकर देशभक्त की भावना नहीं रखते उनके खिलाफ आवाज उठाकर अपने साथ न्याय करें जो शहीद हुए थे उनकी, जरा याद करो कुर्बानी।

महानदेश भक्त राम स्वारथ लाल उपसेनाध्यक्ष आजाद हिन्द फौज के पौत्र

राकेश श्रीवास्तव- सम्पादक

सम्पर्क सूत्र-9451016573

शाहजहां के सिपाहियों ने बसाया शाहजहांपुर

अपने ही घर में गुमनाम...

बस्ती जनपद के कोदोवल [illegible] निवासी राम स्वरूप [illegible] जी सुभाष चन्द्र बोस के सम्पर्क में 1939 में आए। [illegible] को आजाद कराने के लिए आजाद हिन्द फौज का [illegible] सबसे उपयुक्त लगा और वह संगठन में शामिल हो गए। राम स्वरूप [illegible] आजाद हिन्द फौज का [illegible] बना दिया गया।

शिक्षा
NDA
CDS
WRITTEN & SSB
SSC
C.D.A.F.
मेडिकल
100%
शिक्षा
गारंटी के साथ
अंग्रेजी
बोलना सीखें
ECC
साइकल

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम स्वारथ लाल की संसद भवन परिसर में लगेगी प्रतिमा

आजाद हिन्द फौज के नायक को संसद का सलाम

बस्ती। स्वाधीनता संग्राम की नींव के पत्थर आखिरकार हमारी संसद को याद आ ही गए। संसद ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले आजाद हिन्द फौज के नायक रहे उप सेनाध्यक्ष राम स्वारथ लाल की प्रतिमा को संसद भवन में स्थापित करने का निर्णय लिया है। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की टीम के सिपहसालार रहे बस्ती के रियल हीरो को भारत रत्न देने के प्रस्ताव पर भी राष्ट्रपति के समक्ष विचार किया जा रहा है।

इस आशय का एक पत्र लोकसभा सचिवालय से गत 24 अप्रैल को राम स्वारथ लाल श्रीवास्तव के पौत्र राकेश श्रीवास्तव को प्राप्त हुआ। पत्र में अपर सचिव लोक सभा सचिवालय ने लिखा है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रामस्वारथ लाल के स्वतंत्रता संग्राम [illegible] देखते हुए संसद भवन परिसर में उनकी मूर्ति लगाने का प्रस्ताव आया है। संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों की मूर्तियां लगाए जाने संबंधी संयुक्त समिति ने निर्णय लिया है कि यदि स्व. श्रीवास्तव की मूर्ति एक माह के भीतर कोई दान कर दे तो उनकी यह मूर्ति संसद भवन परिसर में स्थापित कर दी जाएगी। इस सूचना पर रामस्वारथ लाल के पौत्र राकेश [illegible] ने अपनी [illegible] लोकसभा को भेज दिया है। यही नहीं राकेश लाल के प्रस्ताव पर स्व. रामस्वारथ लाल को भारत रत्न से सम्मानित करने के प्रस्ताव पर राष्ट्रपति भवन से गत 28 सितंबर 06 को र 15द, प ति सचिवालय के निदेशक वरुण मित्रा का यह पत्र आया है कि राकेश लाल द्वारा भेजा गया प्रस्ताव उचित है और अग्रिम कार्रवाई के लिए इसे गृह मंत्रालय को अग्रसारित किया जा रहा है। विदित हो कि 19[illegible] में रामस्वारथ लाल श्रीवास्तव नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में गठित आजाद हिन्द फौज में नेताजी के निकट सहयोगी [illegible] सेना में उन्हें उपसेनाध्यक्ष का पद नेताजी ने उनकी योग्यता और [illegible] भक्ति को देखते हुए सौंपा था। [illegible] लेकर आजादी तक स्व. श्रीवास्तव इस पद पर रहे। देश के लिए उनके योगदान को देखते हुए 15 अगस्त 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने राष्ट्र की ओर से इन्हें ताम्र पत्र, स्मृति चिन्ह [illegible] पुरस्कार भेंट किया था। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि स्व. श्रीवास्तव को न तो वह सम्मान मिला जिसके वे हकदार थे और न [illegible] इतिहास के पन्नों में उन्हें जगह मिल पाई। संसद परिसर में उनकी मूर्ति स्थापित होना उनके प्रति [illegible] [illegible] है।